Part – 3
Class – XII
Sub – Hindi (Core)

समाचार लेखन (उल्टा पिरामिड शैली)

समाचार कैसे लिखा जाता है?

पत्रकारीय लेखन का सबसे जाना-पहचाना रूप समाचार-लेखन है। आमतौर पर समाचार-पत्रों में समाचार पूर्णकालिक और अंशकालिक पत्रकार लिखते हैं, जिन्हें संवाददाता या रिपोर्टर भी कहते हैं।

समाचार-लेखन की विशेष शैली

अखबारों में प्रकाशित अधिकांश समाचार एक खास शैली में लिखे जाते हैं। इन समाचारों में किसी भी घटना, समस्या या विचार के सबसे महत्वपूर्ण तथ्य, सूचना या जानकारी को सबसे पहले पैराग्राफ़ में लिखा जाता है। उसके बाद के पैराग्राफ़ में उससे कम महत्वपूर्ण सूचना या तथ्य की जानकारी दी जाती है। यह प्रक्रिया तब तक जारी रहती है जब तक समाचार खत्म नहीं हो जाता।

उल्टा पिरामिड शैली

अवधारणा

उल्टा पिरामिड सिद्धांत समाचार लेखन का बुनियादी सिद्धांत है। यह समाचार लेखन का सबसे सरल, उपयोगी और व्यावहारिक सिद्धांत है। समाचार लेखन का यह सिद्धांत कथा या कहनी लेखन की प्रक्रिया के ठीक उलट है। इसमें किसी घटना, विचार या समस्या के सबसे महत्वपूर्ण तथ्यों या जानकारी को सबसे पहले बताया जाता है, जबकि कहनी या उपन्यास में क्लाइमेक्स सबसे अंत में आता है। इसे उल्टा पिरामिड इसलिये कहा जाता है क्योंकि इसमें सबसे महत्वपूर्ण तथ्य या सूचना पिरामिड के निचले हिस्से में नहीं होती है और इस शैली में पिरामिड को उल्टा कर दिया जाता है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण सूचना पिरामिड के सबसे उपरी हिस्से में होती है और घटते हुये क्रम में सबसे कम महत्व की सूचनायें सबसे निचले हिस्से में होती है।

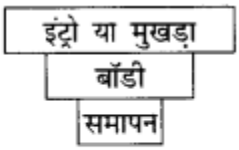

उलटा पिरामिड में समाचार का ढाँचा

ऐतिहासिक विकास

इस सिद्धांत का प्रयोग 19 वीं सदी के मध्य से शुरु हो गया था, लेकिन इसका विकास अमेरिका में गृहयुद्ध के दौरान हुआ था। उस समय संवाददाताओं को अपनी खबरें टेलीग्राफ संदेश के जरिये भेजनी पड़ती थी, जिसकी सेवायें अनियमित, महंगी और दुर्लभ थी। यही नहीं कई बार तकनीकी कारणों से टेलीग्राफ सेवाओं में बाधा भी आ जाती थी। इसलिये संवाददाताओं को किसी खबर कहानी लिखने के बजाये संक्षेप में बतानी होती थी और उसमें भी सबसे महत्वपूर्ण तथ्य और सूचनाओं की जानकारी पहली कुछ लाइनों में ही देनी पड़ती थी।

परिभाषा

किसी समाचार को लिखने या कहने का वह तरीका है जिसमें उस घटना, विचार, समस्या के सबसे अहम तथ्यों या पहलुओं के सबसे पहले बताया जाता है और उसके बाद घटते हुये महत्व क्रम में अन्य तथ्यों या सूचनाओं को लिखा या बताया जाता है। इस शैली में किसी घटना का ब्यौरा कालानुक्रम के बजाये सबसे महत्वपूर्ण तथ्य या सूचना से शुरु होता है।

लेखन प्रक्रिया

समाचार लेखन की उल्टा पिरामिड शैली के तहत लिखे गये समाचारों के सुविधा की दृष्टि से मुख्यतः तीन हिस्सों में विभाजित किया जाता है - मुखड़ा या इंट्रो या लीड, बॉडी और निष्कर्ष या समापन। इसमें मुखड़ा या इंट्रो समाचार के पहले और कभी - कभी पहले और दूसरे दोनों पैराग्राफ को कहा जाता है। मुखड़ा किसी भी समाचार का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होता है क्योंकि इसमें सबसे महत्वपूर्ण तथ्यों और सूचनाओं को लिखा जाता है। इसके बाद समाचार की बॉडी आती है, जिसमें महत्व के अनुसार घटते हुये क्रम में सूचनाओं और ब्यौरा देने के अलावा उसकी पृष्ठभूमि का भी जिक्र किया जाता है। सबसे अंत में निष्कर्ष या समापन आता है। समाचार लेखन में निष्कर्ष जैसी कोई चीज नहीं होती है और न ही समाचार के अंत में यह बताया जाता है कि यहां समाचार का समापन हो गया है।

मुखड़ा या इंट्रो या लीड

उल्टा पिरामिड शैली में समाचार लेखन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू मुखड़ा लेखन या इंट्रो या लीड लेखन है। मुखड़ा समाचार का पहला पैराग्राफ होता है, जहां से कोई समाचार शुरु होता है। मुखड़े के आधार पर ही समाचार की गुणवत्ता का निर्धारण होता है। एक आदर्श मुखड़ा में किसी समाचार की सबसे महत्वपूर्ण सूचना आ जानी चाहिये और उसे किसी भी हालत में 35 से 50 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिये। किसी मुखड़े में मुख्यतः छह सवाल का जवाब देने की कोशिश की जाती है - क्या हुआ, किसके साथ हुआ, कहां हुआ, कब हुआ, क्यों और कैसे हुआ है।

आमतौर पर माना जाता है कि एक आदर्श मुखड़े में सभी छह ककार का जवाब देने के बजाये किसी एक मुखड़े को प्राथमिकता देनी चाहिये। उस एक ककार के साथ एक - दो ककार दिये जा सकते हैं।

बॉडी

समाचार लेखन की उल्टा पिरामिड लेखन शैली में मुखड़े में उल्लिखित तथ्यों की व्याख्या और विश्लेषण समाचार की बॉडी में होती है। किसी समाचार लेखन का आदर्श नियम यह है कि किसी समाचार को ऐसे लिखा जाना चाहिये, जिससे अगर वह किसी भी बिन्दु पर समाप्त हो जाये तो उसके बाद के पैराग्राफ में ऐसा कोई तथ्य नहीं रहना चाहिये, जो उस समाचार के बचे हुऐ हिस्से की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण हो। अपने किसी भी समापन बिन्दु पर समाचार को पूर्ण, पठनीय और प्रभावशाली होना चाहिये। समाचार की बॉडी में छह ककारों में से दो क्यों और कैसे का जवाब देने की कोशिश की जाती है। कोई घटना कैसे और क्यों हुई, यह जानने के लिये उसकी पृष्ठभूमि, परिपेक्ष्य और उसके व्यापक संदर्भों को खंगालने की कोशिश की जाती है। इसके जरिये ही किसी समाचार के वास्तविक अर्थ और असर को स्पष्ट किया जा सकता है।

निष्कर्ष या समापन

समाचार का समापन करते समय यह ध्यान रखना चाहिये कि न सिर्फ उस समाचार के प्रमुख तथ्य आ गये हैं बल्कि समाचार के मुखड़े और समापन के बीच एक तारतम्यता भी होनी चाहिये। समाचार में तथ्यों और उसके विभिन्न पहलुओं को इस तरह से पेश करना चाहिये कि उससे पाठक को किसी निर्णय या निष्कर्ष पर पहुंचने में मदद मिले।

समाचार – लेखन और छह ककार

किसी समाचार को लिखते हुए जिन छह सवालों का जवाब देने की कोशिश की जाती है, वे हैं-

- क्या हुआ?
- किसके साथ हुआ?
- कब हुआ?
- कहाँ हुआ?
- कैसे हुआ?
- क्यों हुआ?

इस क्या, किसके (या कौन), कब, कहाँ, कैसे और क्यों को ही **छह ककारों** के रूप में जाना जाता है। समाचार के मुखड़े (इंट्रो) यानी पहले पैराग्राफ़ या शुरुआती दो-तीन पंक्तियों में आमतौर पर तीन या चार ककारों को आधार बनाकर खबर लिखी जाती है। ये चार ककार हैं-क्या, कौन, कब और कहाँ? इसके बाद समाचार की बॉडी में और समापन के पहले बाकी दो ककारों-कैसे ' और क्यों-का जवाब दिया जाता है। इस तरह छह ककारों के आधार पर समाचार तैयार होता है। इनमें से पहले चार ककार-क्या, कौन, कब और कहाँ-सूचनात्मक और तथ्यों पर आधारित होते हैं जबकि बाकी दो ककारों-कैसे और क्यों-में विवरणात्मक, व्याख्यात्मक और विश्लेषणात्मक पहलू पर जोर दिया जाता है।

उदाहरणतया 26 जून, 2015 के 'हिंदुस्तान' दैनिक में प्रकाशित समाचार पर ध्यान दीजिए-

<table>
<tr><td colspan="2">23 अगस्त को देश भर के लखों केंद्रों पर नव साक्षरों की परीक्षा होगी, जिसमें एक करोड़ से ज्यादा लोगों के बैठने की संभावना है</td></tr>
<tr><td colspan="2">देश मैं होगी दूनिया की सबसे बड़ी परीक्षा</td></tr>
<tr><td>क्या – दुनिया की सबसे बड़ी परीक्षा
किसकी – नवसाक्षरों की
कब – 23 अगस्त, 2015 को
कहाँ – देशभर के लाखों केंद्रों पर</td><td>समाचार का इंट्रो-मानव संसाधन विकास मंत्रालय अगले महीने 23 अगस्त, 2014 को दुनिया की सबसे बड़ी परीक्षा कराने जा रहा है। इसमें एक करोड़ से ज्यादा नवसाक्षर परीक्षार्थियों के हिस्सा लेने की संभावना है। परीक्षा देश के 26 राज्यों के 410 जिलों में दो लाख सै ज्यादा केंद्रों पर होगी।</td></tr>
<tr><td>कैसे – मानव संसाधन विकास मंत्रालय, राज्य के शिक्षा विभाग तथा मुक्त बिदूयालयी संस्थान के सहयोग से
क्यों – अधिकाधिक लोगों को साक्षर बनाना</td><td>समाचार की बॉडी-साक्षरता अभियान में पढ़ रहे लोग परीक्षा में शामिल होंगे : मंत्रालय 'साक्षर भारत अभियान' के तहत पढ़ रहे छात्र-छात्राओं के लिए इस परीक्षा का आयोजन कर रहा है। स्कूल न जा पाने वाले 16 साल सै लेकर किसी भी आयु तक के वे लोग इसमें भाग लेंगे जो साक्षर भारत अभियान' शिक्षा ले रहे हैं। इसे अंजाम देने में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अलावा राज्यों के शिक्षा महकमे, प्रौढ़ शिक्षा विभाग और राष्ट्रीय मुक्त विदूयालयी संस्थान के कार्मिक एवं स्वंयसेवक भी जुटेंगे।</td></tr>
</table>

उदूधरपा/स्त्रोत-संवाददाता हिंदुस्तान, नई दिल्ली। ,	**150 अंकों का प्रश्न-पत्र :** करीब 13 भाषाओ में 150 अच्छे का प्रश्न-पत्र होता हे। इसमें लिखने, अक्षर या शब्द पहचानने और गणित के छोटे-छोटे सवाल होते हैं। 60 फीसदी से ज्यादा अंक लाने वालों को ए ग्रेड, 40 फीसदी से ज्यादा अंक लाने वालों को बी ग्रेड दिया जाता है। सी ग्रेड वाले फेल माने जाते हैं, उन्हें दुबारा परीक्षा देनी होती है। परीक्षार्थियों में होंगी 70 फीसदी महिलाएँ: मत्रालय के अनुसार यह कार्यक्रम उन जिलों में चल रहा है, जहाँ महिलाओं की साक्षरता दर 50 फीसदी से कम है, इसलिए इसमें 'ज्यादातर महिलाएं होती हैं। यह कार्यक्रम 2010 से शुरू हुआ था और तब से पाँच करोड़ लोग साक्षर हो चुके हैं।

उपर्युक्त समाचार के पहले पैराग्राफ़ यानी मुखड़े (इंट्रो) में चार ककारों-क्या, कौन, कब और कहाँ-के बाबत जानकारी दी गई है जबकि उसके बाद के तीन पैराग्राफ़ में दो अन्य ककारों-कैसे और क्यों-के माध्यम से परीक्षा के आयोजन के कारणों पर प्रकाश डाला गया है। अधिकांश समाचार इसी शैली में लिखे जाते हैं। लेकिन कभी-कभी अपने महत्व के कारण 'कैसे" या 'क्यों' भी समाचार के मुखड़े में आ सकते हैं। एक और बात याद रखने की है कि समाचार में सूचना के स्रोत यानी जिससे जानकारी मिली है, उसको भी अवश्य उद्धृत करना चाहिए।

समाचार-लेखन के कुछ अन्य उदाहरण

आठ मिनट में आठ कारों की बैटरी चोरी

नई दिल्ली, वरिष्ठ संवाददाता।
लक्ष्मी नगर में चोरों ने सिर्फ़ आठ मिनट में आठ कारों से बैटरियाँ चोरी कर लीं। खास बात यह है कि इन चोरों ने सिर्फ़ मारुति की कारों को ही निशाना बनाया। मंगलवार सुबह चार बजे हुई घटना गली में लगे सीसीटीवी में कैद हुई है। पीड़ित लोगों ने शकरपुर थाने में चोरी का मामला दर्ज कराया है।

इलाके में रहने वाले शैलेंद्र नारंग ने बताया कि चोर उनकी मारुति वैन से बैटरी चोरी कर ले गए। उन्होंने बताया कि उनके मुताबिक उनकी गली से आठ कारों की बैटरिया चोरी की गई। यहाँ रहने वाले राधेश्याम ने बताया कि एक साल के भीतर यह तीसरी घटना है जब उनकी कार से बैटरी निकाल ली गई। लोगों ने बताया कि ये लोग सिर्फ़ मारुति की गाड़ियों को निशाना बनाते हैं। यह पूरी घटना गुरुरामदास नगर में रहने वाले बृजेश कौशिक के घर के बाहर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है।

सीसीटीवी फुटेज देखने पर पता चला कि सुबह चार बजे दो संदिग्ध व्यक्ति सफेद रंग की एक्टिवा से पूरी गली का जायजा लेते हैं और फिर वापस चले जाते हैं। पाँच मिनट बाद वे वापस आते हैं और राजकिशन जैन की गाड़ी को निशाना हैं। सफेद कुर्ता-पाजामा और सफेद जालीदार टोपी पहने तकरीबन 27-28 वर्षीय युवक फुर्ती से कार का बोनट खोल देता है और जेब से औजार निकालकर बैटरी चुरा लेता है। ऐसा करने में उसे करीब एक मिनट का समय लगता है।

गैस सिलेंडर में रिफ़िलिंग से धमाका, छत उड़ी

नोएडा, प्रमुख संवाददाता।

चिखली गाँव में बुधवार को छोटे सिलेंडर में गैस रिफ़िलिंग के दौरान आग लग गई। आग तीन बड़े सिलेंडरों में भी जा लगी, जिससे जोरदार धमाका हुआ और दुकान की छत उड़ गई।

इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है, लेकिन पड़ोस की बिजली की एक दुकान का सारा सामान जल गया है। दुकानदार ने एफ़आईआर दर्ज कराने के साथ ही प्रशासन ने भी रिफ़िलिंग करने वाले के खिलाफ़ रिपोर्ट दर्ज कराई है। सोनू भारद्वाज की गैस रिफ़िलिंग की दुकान में बुधवार सुबह 11 बजे पाँच किलो के सिलेंडर में रिफ़िलिंग के दौरान बर्नर की जाँच करते हुए आग लग गई। सोनू आग लगते ही मौके से भाग गया। देखते-ही-देखते चार सिलेंडरों में धमाके हुए और दुकान की छत उड़ गई। सूचना पर पुलिस और दमकल की गाड़ियाँ मौके पर पहुँचीं। दमकल की चार गाड़ियों ने सोनू की दुकान तथा देवेंद्र की बिजली के सामान की दुकान में लगी आग को बुझाया।

प्रश्न–1 समाचार का इंट्रो लिखते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।
प्रश्न–2 समाचार लेखन की प्रक्रिया में उल्टा पिरामिड सिद्धांत क्या है?